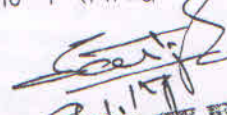


**आदेश :-**

अतः अभियुक्त विनोद कुमार पुत्र श्री पदमसिंह मालिक मैसर्स हिमानी बैबरेजज,मकान नम्बर 204 कृष्णानगर भरतपुर निवासी सोनगांव तहसील व जिला भरतपुर (राज०) को आरोपित अपराध धारा 11 सपठित धारा 33 भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम 1986 एवं धारा 487,488 भा०द०सं० में दोषसिद्ध घोषित किया जाता है।

  
(संतोष अग्रवाल)  
जिला अपराध मुख्य न्यायाधिकारी  
( जे.पी.एन.डी.टी. प्रकरण ) भरतपुर

14. सजा के बिन्दु पर सुना गया । विद्वान् अधिवक्ता अभियुक्त का यह तर्क है कि अभियुक्त का यह प्रथम अपराध है, उसके विरुद्ध कोई पूर्व दोषसिद्धि की साक्ष्य प्रलेख पर प्रस्तुत नहीं हुई है तथा अभियुक्त वर्ष 2012 से लगातार अन्वीक्षा भुगत रहा है । अतः अभियुक्त के विरुद्ध नरमी का रुख अपनाया जाकर अभियुक्त को परिवीक्षा अधिनियम का लाभ दिया जावे । विद्वान् अधिवक्ता परिवादी ने उक्त तर्कों का विरोध करते हुए अभियुक्त को उचित दण्ड से दण्डित किये जाने का निवेदन किया।

मैंने उक्त तर्कों पर मनन किया । पत्रावली का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया । अभियुक्त के द्वारा बिना आईएसआई मार्का के बडी मात्रा में इसका प्रयोग पानी के पाउचो पर किया जा रहा है जो कि जन स्वास्थ्य के लिए घातक परिणाम पैदा कर सकता हैऐसी स्थिति में अभियुक्त को परिवीक्षा अधिनियम का लाभ दिया जाना सामाजिक हित में न्यायोचित प्रतीत नहीं होता है, तथा अभियुक्त को कारावास के दण्ड से दण्डित किया जाना न्यायोचित समझता हूँ ।


:: द ण ड ा दे श ::

परिणामस्वरूप अभियुक्त 1-विनोद कुमार पुत्र श्री पदमसिंह मालिक मैसर्स हिमानी बैबरेजज,मकान नम्बर 204 कृष्णानगर भरतपुर निवासी सोनगांव तहसील व जिला भरतपुर (राज०) को अपराध अन्तर्गत धारा 11/33 भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम 1986 की दोषसिद्धि पर एक वर्ष के साधारण कारावास व 10000 (अक्षरे दस हजार रुपए ) के अर्थ दण्ड से दण्डित किया जाता है अदम अदायगी अर्थ दण्ड अभियुक्त एक माह का साधारण कारावास और भुगतेंगा । अभियुक्त को धारा 487 भा०द०सं० के अपराध की दोषसिद्धि पर एक वर्ष के साधारण कारावास व 5000 (अक्षरे पांच हजार रुपए ) के अर्थ दण्ड से दण्डित किया जाता है अदम अदायगी अर्थ दण्ड अभियुक्त दस दिवस का साधारण कारावास और भुगतेंगा ।

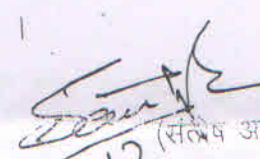


  
09.1.17

488 भा०द०स के अपराध की दोषसिद्धि पर एक वर्ष के साधारण कारावास व 5000 (अक्षरे पांच हजार रूपए ) के अर्थ दण्ड से दण्डित किया जाता है अदम अदायगी अर्थ दण्ड अभियुक्त दस दिवस का साधारण कारावास और भुगतेगा । इस प्रकरण में अभियुक्त द्वारा पुलिस अभिरक्षा व न्यायिक अभिरक्षा में भुगती हुई सजा को समायोजित किया जावेगा । सजा वारंट बनाया जावे ।

  
निराक्षर अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट  
( नै.प. की एन.डी.टी. प्रकरण ) बरसतपुर

निर्णय आज दिनांक 09.01.2017 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर खुले न्यायालय में हस्ताक्षरित कर सुनाया गया ।

  
9.1.17 (सत्य अग्रवाल)  
निराक्षर अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट  
( नै.प. की एन.डी.टी. प्रकरण ) बरसतपुर

